





① Purposive Sampling (उद्देश्यपूर्ण प्रतिदर्शन)

② Systematic Sampling (समवृत्त प्रतिदर्शन)

③ Snowball Sampling (हिमकण्डुक प्रतिदर्शन)

④ Saturation Sampling (संतृप्ति प्रतिदर्शन)

⑤ Quota Sampling (व्यतिरिक्त प्रतिदर्शन)

यद्यपि उपरोक्त दोनो प्रकार की Sampling Method का उपयोग Sampling के लिए किया जाता है लेकिन दोनों के आगे-2 लाभ और रिक्त हैं। दोनों में कुछ अंतर भी है निम्नलिखित हैं।

① Probability Sampling संशोधन के मिश्रण पर आधारित होता है। अतः इसमें नये पैमाने पर बड़े प्रतिदर्श संकलित किए जाते हैं जो अध्ययन के लिए उपयुक्त नहीं होता है। अतः इस क्षेत्र से बचने के लिए प्रदर्शों के संकलन का चयन करना पड़ता है। लेकिन वह अपनी आवश्यकतानुसार उन कुछ प्रदर्शों में से अध्ययन के लिए कुछ से बंध रहे। लेकिन Non Probability Sampling में यह अनुभव नहीं होता है। इसमें शोधकर्ता किसी व्यक्ति का चयन करता है जो उसके अध्ययन के लिए आवश्यक होता है। यह प्रकार वह अनावश्यक प्रश्न से बच बचने से बच जाता है। अतः यह कहा जा सकता है कि समग्र प्रश्न से बचने के इच्छित से Non Probability Sampling अधिक उपयोगी है।

② चूंकि Probability Sampling संशोधन के सभी स्तरों को प्रभावित करती है इसलिए इसमें जनसंख्या के सभी वर्गों को जो जानने से संभावना बराबर रहती है। इसी और Non Probability Sampling के अंतरगत शोधकर्ता अपनी शोधकर्ता से आवश्यकता के अनुसार इसे पूरे जनसंख्या में से किसी विशेष वर्ग या विशेषतावाली शोधकर्ता का चयन करता है। अतः इसके अंतरगत जनसंख्या के सभी वर्गों को जो जानने की संभावना नहीं रहती। इस इच्छित से Probability Sampling के बंध माना जाता है।

③ Probability Sampling मिश्रण से निर्देशित होने के कारण change बिंदु पर निर्देश करता है। अतः अल्प संख्या के परिवर्तन के समग्र Sampling बिंदु से संभावना नहीं रहती है।

④ आगे-2 शोधकर्ता को शोधकर्ता के लिए

⑤ शोधकर्ता के लिए



निश्चित जनसंख्या वाले क्षेत्रों में भी - जाना जाता है। इसी

विधि में Probability Sampling का प्रयोग होता है। समूहों में किया जाता है जो उचित नहीं है। Probability Sampling के लिए एक बड़ी संख्या का क्षेत्र अनिवार्य है। योंकि इसके कुछ विशेषताओं को ध्यान में रखकर Sample का

उनाव करना पड़ता है। (1) Probability Sampling के अन्तर्गत हम बात में आवश्यकता होती है कि शीघ्रता जनसंख्या के सभी इकाइयों से पूर्णतः परिचित हैं तथा उनमें विशेषताओं का उसे पूरा ज्ञान है। लेकिन ऐसा करना असंभव होगा है और ऐसा नहीं होने से प्राप्त शीघ्र परिणामों में पूर्ण

विधि (2) Probability Sampling के लिए आवश्यक है कि शीघ्रता तकनीकों से पूर्णतः परिचित हैं तथा इस अनुसंधान का पूर्ण अनुभव प्राप्त है। परन्तु Non Probability Sampling के साथ एक तरह की कोई अनिवार्यता नहीं है।

(3) Non Probability Sampling के अन्तर्गत Sample का निर्धारण शीघ्रता अपनी कुछ-कुछ के रूप में अनुभव के आधार पर करता है अतः इसमें व्यक्तिगत पहलपात में संभावना अधिक रहती है किन्तु Probability Sampling में एक तरह की संभावना नहीं देखा जाता। (4) Probability Sampling के अन्तर्गत कभी-2 ऐसी इकाइयों का भी चयन हो जाता है जिसे सांख्यिकी में स्थापित करना कठिन हो जाता है और कभी-2 असंभव हो जाता है किन्तु Non Probability Sampling में ऐसी शीघ्रता अपनी सुविधा के अनुसार

के Sample में चयन करता है अतः इसमें एक तरह के दोष की संभावना नहीं रहती। (5) ऐसी Probability Sampling chance selection पर निर्भर करता है अतः कभी-2 कुछ ऐसी इकाइयों का Sample में समावेश नहीं हो पाता जो कि शीघ्रता के लिए अत्यन्त उपयुक्त हैं। Non Probability Sampling में आवश्यकता विशेषताओं के फुटने की संभावना विफल नहीं होती है।

एक प्रकार स्पष्ट है कि Probability के उपरीष्ठ देने में विशेषता में सम्भव शीघ्रता के व्यक्तिगत कुछ-कुछ रूप में अनुभव पर निर्भर करता है। Probability Sampling में अपनी कुछ विशेषताओं में Non Probability Sampling की भी अपनी कुछ विशेषताएं हैं।

कुछ शीघ्रता में Probability Sampling शीघ्र प्रति

Probability Sampling शीघ्र प्रति



किसी नई चीज में Non Probability ! उदाहरण

Probability Sampling में Randomization की प्रक्रिया सम्मिलित होती है। अतः यह पक्षपात से स्वतंत्र होती है। जबकि Non Probability Sampling के साथ नहीं बन पाता है। प्रकृत कारण यह कि Non Probability की प्रणाली में Probability Sampling का प्रयोग सामाजिक अनुसंधान में अधिक किया जाता है। फिर भी विकल्प-पूर्ण ढंग से अध्ययन की आवश्यकताओं की ध्यान में रखकर प्रयोग में लाने के लिए Non Probability Sampling का व्यावहारिक महत्व अधिक होता है।